हिंदुस्तान 11/07/2026

सीएसए दीक्षांत

पदक पहनाकर राज्यपाल ने किया मेधा का सम्मान

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि का 28वां दीक्षांत, 372 छात्रों को उपाधि, कुल 33 में 14 पदक छात्राओं को मिले

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। मेधाओं को पदक पहनाकर राज्यपाल ने सम्मान किया। मौका रहा, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि (सीएसए) के 28वें दीक्षांत समारोह का। जिसमें 372 छात्र-छात्राओं को उपाधियां दी गईं और 27 मेधावियों को कुलाधिपति स्वर्ण, विवि रजत और विवि कांस्य समेत 33 पदकों से सम्मानित किया। 69 छात्रों को पीएचडी उपाधि दी गई।

समारोह का शुभारंभ शोभायात्रा के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल व विवि की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में संस्थान के 1986 बैच के पूर्व छात्र एवं बीमस्टेक के महासचिव एंबेसडर इंद्रमणि पांडेय शामिल रहे। स्वागत कुलपति प्रो. संजीव गुप्ता ने किया व विवि की प्रगति आख्या पढ़ी। उन्होंने 3.5 करोड़ रुपये से बनने वाली लाइब्रेरी का बजट मिलने और शैक्षिक भ्रमण के लिए ट्रेन में मिलने वाली छूट के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ. एम कुमार, डॉ. नौशाद खान, प्रो. सीएल मौर्या, डॉ. राजेंद्र यादव, डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह की पुस्तकों का विमोचन हुआ। दीक्षोत्सव पर बनी दो मिनट की फिल्म, प्राइमरी स्कूल के बच्चों द्वारा पेड़ बचाओ... और पीएमश्री हजारी स्कूल की छात्राओं की ओर से गुजराती नृत्य प्रस्तुति प्रस्तुत किया। चित्रकला स्पर्धा विजेता कक्षा 4 की छात्रा माही, निबंध (मेरी मां) स्पर्धा विजेता कक्षा 8 की छात्रा राधा व भाषण में विजेता 8वीं की अपूर्वा को राज्यपाल ने सम्मानित किया। फर्रुखाबाद की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट दी। साथ ही, वहां के सीडीओ व सीओ को सम्मानित किया गया। यहां पर रजिस्ट्रार रेनू सिंह, वित्त अधिकारी संजय राय, डीन कृषि डॉ. कौशल कुमार, निदेशक प्रसार डॉ. वीके त्रिपाठी, डॉ. विजय यादव, डॉ. नौशाद खान, डॉ. खलील खान रहे।

27 मेधावियों को मिले 33 पदक

09 स्वर्ण पदक पाने वालों में 5 छात्र और 4 छात्राएं

09 रजत पदक पाने वालों में 4 छात्र व 5 छात्राएं

09 कांस्य पाने वालों में 5 छात्र और 4 छात्राएं

06 प्रायोजित स्वर्ण पदक में 5 छात्र और एक छात्रा

55 को कृषि, 4 को गृह विज्ञान व 10 को पीएचडी

03 सौ तीन डिग्री 227 छात्र और 76 छात्रा

69 पीएचडी पाने वालों में 53 छात्र व 16 छात्राएं

सीएसए विवि के दीक्षांत समारोह में मेडल पाए छात्र-छात्राएं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ और अन्य अतिथिगण।

अकेला दौड़ा, फिर भी हार गया...

सीएसए विवि के दीक्षांत में एक ऐसा ही मामला सामने आया, जिसमें अकेले दौड़ने के बावजूद हार मिली। विवि के इटावा इंजीनियरिंग कॉलेज में संचालित मैकेनिकल इंजीनियरिंग में सिर्फ एक छात्र को डिग्री मिली है। लेकिन, बैक लगने के कारण छात्र किसी भी पदक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सका। इसी तरह, इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में भी रोचक मामला सामने आया। इसमें कुल तीन छात्र थे। जिसमें से एक अभिषेक यादव को कुलाधिपति स्वर्ण, दूसरे राम शर्मा को विवि रजत और तीसरे प्रियंका प्रजापति को विवि कांस्य पदक से सम्मानित किया गया।

पांच मिनट का सफर 25 मिनट पर भड़कीं राज्यपाल

सीएसए विवि दीक्षांत में मुख्य द्वार पर पहुंचते ही राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भड़क गईं। नाराज राज्यपाल कार से भी उतरने को तैयार नहीं थी। उन्होंने कहा कि जब पांच मिनट का सफर था तो 25 मिनट कैसे लग गया। रूट चेंज किसने किया। राज्यपाल के एडीसी ने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारी की जमकर क्लास लगाई। कहा, रूट डायवर्ट किस अधिकारी ने किया था। उसे मौके पर बुलाइये। अधिकारी उचित जवाब न दे सकी, सिर्फ फोन लगाती रही। एडीसी के काफी देर फटकार के बाद मामला शांत हुआ और राज्यपाल दीक्षांत में शिरकत करने भवन में दाखिल हुईं।

सीएसए के दीक्षांत में मेडल पाने के बाद छात्राओं ने इस पल को कैमरे में कैद किया।

पदक के लिए छत पर की आर्गेनिक खेती

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। सीएसए के दीक्षांत में पदक के लिए किसी मेधावी ने छत पर आर्गेनिक खेती की तो किसी ने घर के बाहर सब्जियों को जैविक विधि से पैदा किया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पिछले दीक्षांत में निर्देश दिया था कि पदक के लिए सर्वोच्च अंकों के साथ जैविक खेती करना भी अनिवार्य होगा।

बीएससी कृषि में कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाने वाले राहुल कुमार ने बताया घर पर चार बिस्वा में जैविक ढंग से गेहूं व धान की खेती की। बीएससी कम्युनिटी साइंस में कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाने वाली निधि कुमारी ने घर के बाहर भिंडी व ओल की खेती जैविक ढंग से की। बीएससी वानिकी में कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाने वाले सक्षम मिश्रा ने लौकी, भिंडी, बैंगन के साथ एक बिस्वा में मक्का की खेती जैविक विधि से की। बीएससी उद्यान में स्वर्ण पदक पाने वाली अभाव्या ने छत पर गमलों में जैविक विधि से खेती की। अभाव्या ने टमाटर, मिर्च पैदा किए।

चार शिक्षकों को मिला बेस्ट टीचर अवार्ड

4 शिक्षकों को बेस्ट टीचर अवार्ड से सम्मानित किया। अधिष्ठाता उद्यान एवं निदेशक प्रसार डॉ. वीके त्रिपाठी, इटावा इंजीनियरिंग कॉलेज के डॉ. तरुण महेश्वरी, गृह विज्ञान महाविद्यालय की डॉ. मुक्ता गर्ग, राजेंद्र कुमार यादव शामिल रहे। डॉ. वीके त्रिपाठी को इससे पहले डॉ. आरके पाठक अवार्ड, एचटीएचएस गोल्ड मिल चुका है।

सीएसए के 28वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने 27 मेधावियों को दिए 33 पदक

दीक्षांत समारोह में 649 उपाधियां एवं 63 पदक प्रदान किए गए, 300 आंगनबाड़ी केंद्रों को किट वितरित की गई तथा 600 बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण

विश्वविद्यालय की सभी कमियां एक माह में दूर करने के निर्देश, स्वयं करेंगी निरीक्षण

महिला छात्रावासों की अव्यवस्थाएं तत्काल सुधारने और जर्जर भवनों की मरम्मत के निर्देश

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित 28वे दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने 27 मेधावियों को 33 पदक एवं पुरस्कार दिए गए।कुल 372 छात्र छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई। इनमें 69 विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि,179 को बीएससी कृषि, बीएससी उद्यान 28, बीएससी फॉरेस्ट्री के 19 तथा विश्वविद्यालय 10 को बीएससी कम्युनिटी साइंस, 52 को बीटेक की विभिन्न शाखाओं में तथा 8 को बीएफएससी,7 बीटेक डेरी टेक्नोलॉजी की डिग्री दी गई। उपाधियां और मेडल पाकर छात्र-छात्राएं झूम उठे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 09 छात्र छात्राओं को कुलाधिपति स्वर्ण पदक , 09 छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय रजत पदक, 09 छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय कांस्य पदक एवं 06 छात्र छात्राओं को प्रायोजित स्वर्ण पदक से नवाजा गया। कुल 27 छात्र छात्राओं को 33 पदक दिए गए। इसमें 19 पदक छात्रों ने (57.58 त) तथा छात्राओं ने 14 पदक (42.42त) प्राप्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि इंद्र मणि पाण्डेय महासचिव (बिम्सटेक) बंगाल की खाड़ी बहू क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल तथा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता ने मेधावियों को पदक दिए। इस दौरान पदक धारकों की तस्वीर कुलाधिपति एवं अतिथियों के साथ ली गई। इस अवसर पर एक से अधिक पदक कई छात्र छात्राओं को मिले। राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा इस अवसर पर संबिलियन विद्यालय/माध्यमिक विद्यालय कानपुर देहात, रायबरेली, औरैया, के विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी 03 छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र,पुस्तकें, पेन, एवं बैग आदि भेंट की। तथा सभी को चॉकलेट भी दी। तथा जनपद फर्रुखाबाद की 05 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट भेंट की। मुख्य विकास अधिकारी फर्रुखाबाद एवं पुलिस क्षेत्र अधिकारी को प्रमाण पत्र दिया गया। जबकि काशीपुर इंटर कॉलेज कानपुर देहात एवं संविलियन विद्यालय अनूपपुर कानपुर देहात के प्रधानाध्यापक को गवर्नर हाउस से आई पुस्तके भी भेंट की गई।सर्व प्रथम कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। तथा शिक्षण, शोध एवं प्रसार कार्यों के नवाचारो के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभी मंत्रिमंडल द्वारा रायबरेली में उद्यान महाविद्यालय की स्थापना हेतु स्वीकृत प्रदान की गई है। कुलपति ने कहा की विश्वविद्यालय में रेलवे के सहयोग से रेल यात्रा में छात्र-छात्राओं को आने-जाने के लिए विशेष छूट प्रदान की गई है। उन्होंने कहा 3.5 करोड़ पुस्तकालय के आधुनिकीकरण हेतु स्वीकृत हुए हैं।इस अवसर पर मुख्य अतिथि इंद्र मणि पाण्डेय महासचिव (बिम्सटेक) बंगाल की खाड़ी बहू क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी। कुलाधिपति एवं श्रीराज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने डिजिलॉकर में 372 डिग्रियों को अपलोड किया। तथा सभी उपाधि धारक छात्र छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की रैंकिंग सुधारने की अति आवश्यकता है। इसके लिए वैज्ञानिकों/अधिकारियों/छात्र छात्राओं को अथक मेहनत करनी होगी। उपाधि धारक छात्र छात्राओं का आवाहन करते हुए कहा कि देश में आपके नवाचारों की अति आवश्यकता है साथ ही उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिकों से कहा कि श्रीअन्न (मिलेट्स) के क्षेत्रफल को बढ़ावा दिया जाए। डिग्री धारक छात्र छात्राओं से कहा कि वह अपने गांव में अपने खेतों पर जैविक और प्राकृतिक खेती करें।

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

कानपुर, शनिवार
11 जुलाई, 2026
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष 11
सं. 2083 वि.
वर्ष 37, अंक - 319 पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर
मूल्य : 3 रुपये

स्वतंत्र भारत

विश्वविद्यालय में पांच साल पहले बेची जाती थीं फर्जी डिग्रियां-राज्यपाल

- डिजिलॉकर में कम संख्या में अंकपत्र डाउनलोड होने पर जताई नराजगी
- दीक्षांत समारोह में छात्रों को कम पदक मिलने पर उठाए सवाल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के कैलाश भवन में 28वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल शामिल हुईं। इस दौरान डिजिलॉकर से कम संख्या में डिग्री और अंकपत्र डाउनलोड होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि छात्रों को इस सुविधा का अधिकतम लाभ मिलना चाहिए। हरदोई और लखीमपुर खीरी परिसर के छात्रों को कम पदक मिलने पर भी सवाल उठाते हुए संबंधित शिक्षकों से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि इसका कारण बताना ही होगा। उन्होंने कहा कि पांच वर्ष पहले विश्वविद्यालयों में भ्रष्टाचार होता था, फर्जी डिग्रियां बेची जाती थीं। इसी पर रोक लगाने के लिए डिजिलॉकर व्यवस्था लागू करनी पड़ी। राज्यपाल ने कहा कि कुलपति और कुलसचिव बनने का अर्थ केवल पद पर बैठना नहीं, बल्कि रिजल्ट देना है। यदि छात्रावास की मेस में गुणवत्तापूर्ण भोजन नहीं मिल रहा है तो ठेकेदार को हटाइए। छात्र देशभर से पढ़ने आते हैं और भोजन का शुल्क देते हैं, इसलिए उन्हें बेहतर सुविधा मिलनी चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय पुस्तकालय में पहले के छात्रों को प्राथमिकता देने, हॉस्टलों में वाशिंग मशीन लगाने, खेल मैदान और स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य केंद्र के एक चिकित्सक के व्यवहार पर भी नाराजगी जताते हुए कहा कि छात्रों से अच्छा व्यवहार होना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि वह दो महीने बाद फिर विश्वविद्यालय का निरीक्षण करेंगी।

समारोह में 372 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का 28वां दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 372 विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों की उपाधियां प्रदान की। जबकि उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले 33 मेधावी छात्र-छात्राओं को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों से सम्मानित किया। समारोह के मुख्य अतिथि बिम्सटेक के महासचिव एवं भारत के पूर्व राजनयिक एंबेसडर डॉ इंद्रमणि पांडेय रहे।

33 मेधावियों को राज्यपाल ने दिया पदक

कुलपति डॉ संजीव गुप्ता ने बताया कि इस बार 69 शोधार्थियों को पीएचडी, 179 विद्यार्थियों को बीएससी कृषि, 28 को बीएससी उद्यान, 19 को बीएससी फॉरेस्ट्री, 10 को बीएससी कम्युनिटी साइंस, 52 को विभिन्न शाखाओं में बीटेक, आठ को बीएफएससी तथा सात विद्यार्थियों को बीटेक डेयरी टेक्नोलॉजी की उपाधि प्रदान की गई। वहीं कुलसचिव रेनू सिंह ने बताया कि 33 मेधावियों में नौ को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, नौ को विश्वविद्यालय रजत पदक, नौ को विश्वविद्यालय कांस्य पदक तथा छह विद्यार्थियों को प्रायोजित स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें 14 छात्राएं और 19 छात्र शामिल हैं।

मेधावी छात्रों को दिलाया संकल्प

समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावियों को बधाई देते हुए कुलाधिपति ने उन्हें भविष्य की जिम्मेदारियों का अहसास कराया। उन्होंने कहा कि आज के छात्र कल के आईएएस, आइपीएस या आइआरएस अधिकारी बनेंगे। उन्हें अभी से संकल्प लेना चाहिए कि वे जहां भी काम करेंगे, पूरी पारदर्शिता, तय समय सीमा के भीतर और मजबूती के साथ काम करेंगे। अधिकारियों की सोच हमेशा इस बात पर केंद्रित होनी चाहिए कि आम जनता को किस प्रकार सबसे बेहतर सुविधा मिल सके।

राज्यपाल ने डिजिलॉकर में जारी कीं एक क्लिक में 996 डिग्रियां

-एचबीटीयू के दीक्षांत में छात्रों की सुविधाओं व सुरक्षा का रहा फोकस

एचबीटीयू के 8वें दीक्षांत समारोह में राज्पाल आनंदीबेन पटेल ने बिजली समेत अन्य सुविधाओं को लेकर सवालों की झड़ी लाग दी है। उन्होंने कहा कि एक साल पहले भी हॉस्टल में बिजली कटने की समस्या थी और आज भी बनी हुई है। कपड़े धोने के लिए वॉशिंग मशीन तक नहीं है। बताइए, क्या बजट की कमी है?
दीक्षांत समारोह में टॉपर को 3 मेडल और 40 हजार रुपए का चेक दिया गया। वहीं 47 मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। समारोह में 996 छात्र-छात्राओं को कुल 1071 डिग्रियां दी गईं। कुछ छात्रों को मेजर और माइनर कोर्स की दो-दो डिग्रियां मिलीं। इससे पहले राज्यपाल ने एक क्लिक में सभी 996 डिग्रियां डिजिलॉकर में जारी कीं। मेडल विजेता छात्र-छात्राएं पारंपरिक कुर्ता-पायजामा पहनकर पहुंचे और उन्हें समारोह में अलग स्थान पर बैठाया गया। समारोह को सम्बोधित करते हुए उन्होंने परिसर का निरीक्षण करने के बाद नाराजगी जताते हुए कहा कि लड़कियों के हास्टल के पीछे किसानों के खेत हैं, लेकिन वहां सुरक्षा के नाम पर केवल 3 फुट ऊंची दीवार बनाई जा रही थी, जो सुरक्षा के लिहाज से बेहद गंभीर लापरवाही है। तीन मंजिला नए एडमिन ब्लाक का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि शीर्ष मंजिल पर लाइब्रेरी बनाई जा रही थी। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि लाइब्रेरी वहां होनी चाहिए जहां छात्र पढ़ते और रिसर्च करते हैं, न कि प्रशासनिक ब्लाक में। उन्होंने कहा कि इंटरनेशनल हॉस्टल में 6 फुट की ऊंचाई पर खिड़कियां दी गईं, जहां स्टापर खोलने के लिए टेबल पर चढ़ना पड़ता है। साथ ही क्रॉस-वेंटिलेशन के नियमों को ताक पर रखकर खिड़कियां बेड के ठीक ऊपर बना दी गईं, जो पूरी तरह दोषपूर्ण है।

हिंदुस्तान 11/07/2026

काम तो करना होगा, नहीं तो राजीनामा

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। सीएसए पहुंचीं राज्यपाल ने सख्त लहजे में कहा कि कुलपति हो या फिर रजिस्ट्रार और वित्त नियंत्रक। काम सभी को करना होगा। अन्यथा राजीनामा ले लेती हूं। अगर काम नहीं करना है तो कुलपति, रजिस्ट्रार और वित्त नियंत्रक न बनो। पिछली घटनाओं का जिक्र कर कहा कुलपति की विदाई के बाद नया कुलपति नहीं बनाया और न ही किसी दूसरे कुलपति को कार्यभार सौंपा। जिम्मेदारी कमिश्नर को दी। क्योंकि विवि की खामियां कमिश्नर ही दूर कर सकते थे और समाधान भी कराया। राज्यपाल ने सभी विवि को उन विभूतियों के नाम पर कॅम्पटीशन कराने का निर्देश दिया, जिनके नाम पर विवि का नाम रखा गया है।

एसजेएमयू का अत्याधुनिक फायर सिस्टम देखकर आओ: राज्यपाल ने सीएसए विवि में लगे अधिकतर फायर उपकरण एक्सपायरी होने पर नाराजगी जताई। कहा, लखनऊ में 15 बच्चों की मौत के बाद भी नहीं जागे हो। कहा सीएसजेएमयू में अत्याधुनिक फायर सिस्टम लगा है। उसे देखकर आओ और कोशिश करो कि ऐसा सिस्टम लगे। नहीं होता है तो जो है, उसी में सुधार करो।

अधिकारियों की कार्यशैली पर उठाए सवाल

राज्यपाल ने प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। कहा, एक विवि को 2600 कुंतल बीज उत्पादन का लक्ष्य दिया। विवि ने जब गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन कर लिया तो उन्होंने लेने के बजाए प्राइवेट कंपनी से खरीद लिया। इससे विवि को ढाई करोड़ का नुकसान हुआ। खामियाजा किसानों ने भी भुगता। राज्यपाल ने इटावा के इंजीनियरिंग कॉलेज में विकसित सस्ती, आसान व प्रभावी यंत्रों की प्रशंसा की। कहा, अभी एक शिक्षक ने बताया और यंत्र भी विकसित किए गए हैं, लेकिन इन वैज्ञानिकों के यंत्रों को खरीदने के बजाए बाहर से खरीद लेते हैं। कई भवन अधूरे हैं, इसके पीछे या तो डिजाइन गड़बड़ है या फिर भ्रष्टाचार है।

सात देश करेंगे भारत में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कृषि नवाचार

कानपुर। देश में बिम्स्टेक के सहयोग से कृषि का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा। जिसमें अनुसंधान व नवाचार में बिम्सटेक के सभी सदस्य भारत, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका व थाईलैंड मिलकर काम करेंगे। अभी यह सेंटर कहां बनना है, यह तय नहीं हुआ है।

यह बात बिम्सटेक के महासचिव इंद्रमणि पांडेय ने कही। कहा, इससे न केवल आधुनिक कृषि तकनीकों का आदान प्रदान तेज होगा बल्कि किसानों को उन्नत बीज व बेहतर खेती के तरीके उपलब्ध होंगे। एकीकृत एसएमएस या डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसानों को मौसम, फसल रोग और बाजार से जुड़ी जानकारी समय पर मिल सकेगी।

इंद्रमणि पांडेय ने विवि में अपने बैच (1986 बैच) के साथियों के साथ मुलाकात की। पुराने दोस्तों को देख मुस्करा उठे और बोले अब कहां पहले वाली बात, पूरे बाल तो सफेद हो गए। इस पर एक साथी ने ठहाका लगाते हुए कहा कि आपके तो सफेद हुए यहां तो उड़ गए।

विवि की गिनाईं खामियां

- मेस में गंदगी है। भोजन की गुणवत्ता भी ठीक नहीं है। अगर भोजन नहीं बना पा रहा है तो उसे हटाओ।
- छात्रावास में वाशिंग मशीन लगाई जाए।
- 42 निष्प्रयोज्य भवनों का जल्द निस्तारण कर जमीन खाली कराएं। जिससे वहां खेती हो सके।
- छह भवन उपयोग में नहीं हैं। उसका समाधान करें।
- गोशाला की स्थिति खराब है। पशुओं को गुणवत्तायुक्त भोजन नहीं मिल रहा। वहां सफाई शुरू हुई।
- लैब, खेल मैदान की स्थिति खराब है। कैम्पस सफाई में सुधार हुआ है लेकिन अभी और जरूरत है।

अमर भारती
एक उम्मीद
03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com शुक्रवार, 10 जुलाई 2026 शक सम्वत् 1948,

सीएसए का 28वां दीक्षांत समारोह संपन्न

◆वितरित हुए 33 पदक और 372 उपाधियां, छात्र हुए प्रफुल्लित

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के ऑडिटोरियम हॉल (कैलाश भवन) में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में 28वें दीक्षांत समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 27 मेधावियों को 33 पदक एवं पुरस्कार दिए गए।कुल 372 छात्र छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई। इनमें 69 विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि,179 को बीएससी कृषि, बीएससी उद्यान 28, बीएससी फॉरेस्ट्री के 19 तथा विश्वविद्यालय 10 को बीएससी कम्युनिटी साइंस, 52 को बीटेक की विभिन्न शाखाओं में तथा 8 को बीएफएससी,7 बीटेक डेरी टेक्नोलॉजी की डिग्री दी गई। उपाधियां और मेडल पाकर छात्र-छात्राएं झूम उठे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 09 छात्र छात्राओं को कुलाधिपति स्वर्ण पदक , 09 छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय रजत पदक, 09 छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय कांस्य पदक एवं 06 छात्र छात्राओं को प्रायोजित स्वर्ण पदक से नवाजा गया। कुल 27 छात्र छात्राओं को 33 पदक दिए गए। इसमें 19 पदक छात्रों ने (57.58 त) तथा छात्राओं ने 14 पदक (42.42त) प्राप्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि इंद्र मणि पाण्डेय महासचिव (बिम्सटेक) बंगाल की खाड़ी बहू क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल तथा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता ने मेधावियों को पदक दिए। इस दौरान पदक धारकों की तस्वीर कुलाधिपति एवं अतिथियों के साथ ली गई। इस अवसर पर एक से अधिक पदक कई छात्र छात्राओं को मिले। राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदया द्वारा इस अवसर पर संबिलियन विद्यालय/माध्यमिक विद्यालय कानपुर देहात, रायबरेली, औरैया, के विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी 03 छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र,पुस्तकें, पेन, एवं बैग आदि भेंट की। तथा सभी को चॉकलेट भी दी। तथा जनपद फर्रुखाबाद की 05 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट भेंट की। मुख्य विकास अधिकारी फर्रुखाबाद एवं पुलिस क्षेत्र अधिकारी को प्रमाण पत्र दिया गया। जबकि काशीपुर इंटर कॉलेज कानपुर देहात एवं संविलियन विद्यालय अनूपपुर कानपुर देहात के प्रधानाध्यापक को गवर्नर हाउस से आई पुस्तके भी भेंट की गई।सर्व प्रथम कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। तथा शिक्षण, शोध एवं प्रसार कार्यों के नवाचारो के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभी मंत्रिमंडल द्वारा रायबरेली में उद्यान महाविद्यालय की स्थापना हेतु स्वीकृत प्रदान की गई है। कुलपति ने कहा की विश्वविद्यालय में रेलवे के सहयोग से रेल यात्रा में छात्र-छात्राओं को आने-जाने के लिए विशेष छूट प्रदान की गई है। उन्होंने कहा 3.5 करोड़ रूपया पुस्तकालय के आधुनिकीकरण हेतु स्वीकृत हुए हैं ।

Times Of India 11/07/2026

Harness AI in agriculture to help boost farmers' income, says Guv

Faiz.Siddiqui
@timesofindia.com

Kanpur: Stressing the need to improve the university's national standing, governor and chancellor Anandiben Patel on Friday called upon scientists, faculty members and students of Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology (CSA) to work relentlessly to raise its ranking and ensure that innovations developed in laboratories reach farmers' fields. Addressing the university's 28th convocation ceremony, she urged graduating students to promote organic and natural farming, harness artificial intelligence (AI) in agriculture and help boost farmers' incomes through innovation.

The governor said the country urgently needs young agricultural professionals capable of transforming the farming sector. She asked scientists to promote the cultivation of Shri Ann (millets) and encouraged students to adopt cow-based natural farming and organic practices in their villages to reduce cultivation costs and double farmers' income.

She also highlighted the role of Drone Didis and Krishi Sakhis in enhancing agricultural productivity, adding that AI would play a transformative role in improving farmers' livelihoods. "The soul of India resides in villages, and the soul of villages resides in farmers. Therefore, innovations from laboratories must reach farmers," she said.

TOI

Governor Anandiben Patel giving away degrees to students during Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology

The convocation, held at the university's Kailash Bhavan Auditorium, saw 372 students receiving degrees, while 27 meritorious students were honoured with 33 medals and awards. The degrees included 69 PhDs, 179 BSc (Agriculture), 28 BSc (Horticulture), 19 BSc (Forestry), 10 BSc (Community Science), 52 BTech degrees in various branches, eight BFSc and seven BTech (Dairy Technology) degrees.

Among the honours presented were nine Chancellor's Gold Medals, nine University Silver Medals, nine University Bronze Medals and six Sponsored Gold Medals. Male students received 19 medals (57.58%), while female students secured 14 medals (42.42%).

Patel, chief guest Indra Mani Pandey, Secretary General of BIMSTEC, and Vice-Chancellor Dr Sanjeev Gupta presented the medals to the awardees. At the ceremony, the governor also uploaded all 372 degrees to DigiLocker and congratulated the graduating students. S

Earlier, Vice-Chancellor Dr Sanjeev Gupta presented the university's annual progress report, highlighting achievements in teaching, research and extension activities. He announced that the state Cabinet had recently approved the establishment of a College of Horticulture in Rae Bareli, while ₹3.5 crore had been sanctioned for modernising the university library. He also said the Railways had introduced travel concessions for students commuting to and from the university.

Chief guest Indra Mani Pandey praised the university's contribution to Indian agriculture, noting that it had developed more than 300 varieties of pulses, oilseeds and foodgrain crops and played a significant role in the Green Revolution. He urged scientists to undertake demand-driven research, develop climate-resilient crop varieties and focus on achieving self-reliance in pulses and oilseeds through agricultural diversification.

दैनिक
नगर संवाद
हम बनेंगे, आपकी आवाज़
व, फतेहपुर, उरई , झांसी, इटावा, कुशीनगर, हाथरस, एटा, कन्नौज, बाराबंकी, आगरा में प्रसारित व का
3 कानपुर , 11 जुलाई, शनिवार 2026 पृष्ठ : 8

सीएसए का 28वां दीक्षांत समारोह संपन्न, वितरित हुए 33 पदक एवं 372 उपाधियां, छात्र हुए प्रफुल्लित

हरिओम गुप्ता

कानपुर (नगर संवाद) । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के ऑडिटोरियम हॉल (कैलाश भवन) में कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल जी की अध्यक्षता में 28वें दीक्षांत समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 27 मेधावियों को 33 पदक एवं पुरस्कार दिए गए,कुल 372 छात्र छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई। इनमें 69 विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि,179 को बीएससी कृषि, बीएससी उद्यान 28, बीएससी फॉरेस्ट्री के 19 तथा विश्वविद्यालय 10 को बीएससी कम्युनिटी साइंस, 52 को बीटेक की विभिन्न शाखाओं में तथा 8 को बीएफएससी,7 बीटेक डेरी टेक्नोलॉजी की डिग्री दी गई। उपाधियां और मेडल पाकर छात्र-छात्राएं झूम उठे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 09 छात्र छात्राओं को कुलाधिपति स्वर्ण पदक , 09 छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय रजत पदक, 09 छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय कांस्य पदक एवं 06 छात्र छात्राओं को प्रायोजित स्वर्ण पदक से नवाजा गया। कुल 27 छात्र छात्राओं को 33 पदक दिए गए। इसमें 19 पदक छात्रों ने (57.58 %) तथा छात्राओं ने 14 पदक (42.42%) प्राप्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि श्री इंद्र मणि पाण्डेय महासचिव (बिम्सटेक) बंगाल की खाड़ी बहु क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल तथा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता ने मेधावियों को पदक दिए। इस दौरान पदक धारकों की तस्वीर कुलाधिपति एवं अतिथियों के साथ ली गई। इस अवसर पर एक से अधिक पदक कई छात्र छात्राओं को मिले। राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदया द्वारा इस अवसर पर सॅविलियन विद्यालय/माध्यमिक

विद्यालय कानपुर देहात, रायबरेली, औरैया, के विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी 03 छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र,पुस्तकें, पेन, एवं बैग आदि भेंट की। तथा सभी को चॉकलेट भी दी। तथा जनपद फर्रुखाबाद की 05 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट भेंट की। मुख्य विकास अधिकारी फर्रुखाबाद एवं पुलिस क्षेत्र अधिकारी को प्रमाण पत्र दिया गया। जबकि काशीपुर इंटर कॉलेज कानपुर देहात एवं सॅविलियन विद्यालय अनूपपुर कानपुर देहात के प्रधानाध्यापक को गवर्नर हाउस से आई पुस्तकें भी भेंट की गई।सर्व प्रथम कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की।तथा शिक्षण, शोध एवं प्रसार कार्यों के नवाचारो के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभी मंत्रिमंडल द्वारा रायबरेली में उद्यान महाविद्यालय की स्थापना हेतु स्वीकृत प्रदान की गई है। कुलपति ने कहा की विश्वविद्यालय में रेलवे के सहयोग से रेल यात्रा में छात्र-छात्राओं को आने-जाने के लिए विशेष छूट प्रदान की गई है। उन्होंने कहा 3.5 करोड़ रुपया पुस्तकालय के आधुनिकीकरण हेतु स्वीकृत हुए हैं इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री इंद्र मणि पाण्डेय महासचिव (बिम्सटेक) बंगाल की खाड़ी बहु क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि इस विश्वविद्यालय द्वारा दलहन, तिलहन एवं खाद्यान्न फसलों की 300 से अधिक प्रजातियां निकालकर कृषि क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किया है।तथा हरित क्रांति में इस विश्वविद्यालय का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिकों तथा छात्रों से कहा कि हमें मांग के अनुरूप शोध करने की आवश्यकता है तथा दलहन और तिलहन फसलों में आत्मनिर्भर होना जरूरी है,साथ ही वैज्ञानिकों से आवाहन किया कि जलवायु अनुकूल प्रजातियां का विकास करें।उन्होंने गुणवत्ता युक्त कृषि उत्पाद के लिए कृषि विविधीकरण पर बल दिया। इस अवसर पर कुलाधिपति एवं श्रीराज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने डिजिलॉकर में 372 डिग्रियों को अपलोड किया। तथा सभी उपाधि धारक छात्र छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की रैंकिंग सुधारने की अति आवश्यकता है। इसके लिए वैज्ञानिकों/अधिकारियों/छात्र छात्राओं को अथक मेहनत करनी होगी। उपाधि धारक छात्र छात्राओं का आवाहन करते हुए कहा कि देश में आपके नवाचारों की अति आवश्यकता है साथ ही उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिकों से कहा कि श्री अन्न (मिलेट्स) के क्षेत्रफल को बढ़ाया दिया जाए।डिग्री धारक छात्र छात्राओं से कहा कि वह अपने गांव में अपने खेतों पर जैविक और प्राकृतिक खेती करें। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कृषि लागत को कम किया जाए तथा गौ आधारित प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती को अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में ड्रोन दीदी एवं कृषि सखियों के भी चयन से कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी। कुलाधिपति ने कहा कि कृषि में ए आई(कृत्रिम बुद्धिमत्ता) के प्रयोग से किसानों आमदनी में बदलाव होगा।उन्होंने पदक एवं डिग्री धारक छात्र छात्राओं से आवाहन किया कि वे अपने अनुभवों को तथा नवाचारों को खेतों तक अवश्य पहुंचाएं। भारत की आत्मा, गांव में बसती है गांव की आत्मा किसानों में बसती है इसलिए प्रयोगशाला के नवाचारों को किसानों तक अवश्य पहुंचाया जाए।दीक्षांत समारोह के दौरान उत्कृष्ट अध्यापन एवं शैक्षणिक योगदान हेतु चार शिक्षकों को "उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान" प्रदान किया गया इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित 09 पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ विनीता सिंह एवं डॉ नौशाद खान ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विधायक (सदस्य विधान परिषद) एव बोर्ड के सदस्य, श्री सलिल विश्नोई जी,जिला प्रशासन के अधिकारी गण,सभी अधिष्ठाता गण, निदेशक गण, विभागाध्यक्ष एवं सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

विकसित भारत की जिम्मेदारी संभालें युवा

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 27 मेधावियों को बांटे 33 पदक, 372 उपाधियां मिलीं

रूट परिवर्तन होने पर भड़कीं राज्यपाल

कानपुर। शुक्रवार को एचबीटीयू के दीक्षांत समारोह की समाप्त के बाद राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को दोपहर में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में आना था। राज्यपाल के लिए निर्धारित तय रूट में परिवर्तन कर एचबीटीयू के शताब्दी भवन से राज्यपाल का काफिला लंबे रूट से घूमता हुआ देरी से सीएसए पहुंचा तो राज्यपाल भड़क गई। कहा गया पांच मिनट के रूट में 25 मिनट लग गए। राज्यपाल के सचिव ने पूछा आखिर तय रूट को परिवर्तन क्यों किया गया। इस पर पुलिस अधिकारी की घिग्घी बंध गई और सभी सिर झुकाकर राज्यपाल की नाराजगी देखी। बाद में रूट परिवर्तन को लेकर पुलिस कमिश्नर को तलब किया गया।

मेधावी रोहित को मेडल व उपाधि देती राज्यपाल व कुलपति।

कानपुर, 10 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के 28वें दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि बिम्सटेक, महासचिव इंद्र मणि पाण्डेय ने कहाकि विकसित भारत के लिए ग्रामीण अंचलों में कृषि ग्रोथ को बढ़ाना होगा। इसके लिए कृषि सेक्टर में एआई, मशीन लर्निंग, ड्रोन टेक्नोलाजी का भरपूर इस्तेमाल कर आगे फूड सिक्योरिटी पर विशेष जोर होगा। उन्होंने छात्रों से कहाकि विकसित भारत के लिए अपनी जिम्मेदारी संभालें और विकास का रोल माडल स्थापित करें, ताकि देश आत्मनिर्भर हो सके। दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि बिम्सटेक, महासचिव इंद्र मणि पाण्डेय, कुलपति डा. संजीव गुप्ता और राज्यपाल ने मेधावी राहुल कुमार को कुलाधिपति स्वर्ण समेत 3 मेडल, निधि कुमारी को कुलाधिपति स्वर्ण समेत 2 मेडल और सक्षम मिश्र को कुलाधिपति स्वर्ण पदक के अलावा 27 मेधावियों को 33 पदक और उपाधियां वितरित किये। 69 विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि देने के साथ कुल 372 छात्र-छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई और उत्कृष्ट कार्य करने वाले चार प्रोफेसरों को भी सम्मानित किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ती को खिलौने, प्रधानाचार्यों को पुस्तकें के बंडल दिये गये। शुक्रवार 2.20 बजे कुलपति, कुलसचिव, डीन, विभागाध्यक्ष व प्रोफेसरों की शोभायात्रा सीएसए के कैलाश भवन के सभागार में पहुंची। दीक्षान्त की शुरुआत वंदेमातरम गीत से हुई। इसके बाद कुलपति डा. संजीव गुप्ता ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि सीएसए का इतिहास 133 साल पुराना है और 51 वर्ष विवि की स्थापना हो गये। 6 जुलाई को रायबरेली में 10वें महाविद्यालय का चालू हुआ है। छात्रवृत्ति देने, रेलवे में छूट दिये जाने की पुन स्वीकृत भी मिल गई है। तीन सौ से अधिक प्लेसमेंट के अलावा 27 छात्रों ने नेट-जेआरएफ में सफलता पायी है। कुलपति ने उपाधि पाने वाले छात्रों को दीक्षोपदेश दिये। इसमें समारोह में 27 मेधावियों को 33 पदक एवं पुरस्कार दिए गए। इनमें 69 विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि,179 को बीएससी कृषि, बीएससी उद्यान 28, बीएससी फॉरेस्ट्री के 19 तथा विश्वविद्यालय 10 को बीएससी कम्युनिटी साइंस, 52 को बीटेक की विभिन्न शाखाओं में तथा 8 को बीएफएससी,7 बीटेक डेरी टेक्नोलॉजी की डिग्री दी गई। उपाधियां और मेडल पाकर छात्र-छात्राएं झूम उठे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 09 छात्र छात्राओं को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, 09 छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय रजत पदक, 09 छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय कांस्य पदक एवं 06 छात्र छात्राओं को प्रायोजित स्वर्ण पदक से नवाजा गया। कुल 27 छात्र छात्राओं को 33 पदक दिए गए। इसमें 19 पदक छात्रों ने (57.58 %) तथा छात्राओं ने 14 पदक (42.42%) प्राप्त किये। उत्कृष्ट कार्य के लिए वैज्ञानिक डा. तरुण महेश्वरी, डा. मुक्ता गर्ग, डा.राजेंद्र यादव, डा. विवेक त्रिपाठी को बेस्ट टीचर अवार्ड 2026 से नवाजा गया। प्रतियोगिता में माही, राधा व अपूर्वा को स्मृति चिन्ह व चाकलेट देकर सम्मानित किया गया। बच्चों ने लोकनृत्य व वृक्षारोपण का संदेश भी दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित 09 पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। इस दौरान एमएलसी एवं बोर्ड के सदस्य सलिल विश्नोई, कुलसचिव रेनू सिंह, निदेशक, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अभिभावकगण आदि मौजूद रहे। दीक्षांत का संचालन डॉ विनीता सिंह एवं डॉ नौशाद खान ने किया।

उत्कृष्ट कार्य करने पर 4 वैज्ञानिकों को बेस्ट टीचर अवार्ड -2026 से नवाजा गया

रिसर्च क्षेत्र में काम करेगा अभिषेक

कानपुर। सीएसए के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने मेधावी अभिषेक त्रिपाठी को 3 मेडल व उपाधियां प्रदान की गई। बेटे की कामयाबी पर पिता अनिल कुमार और मां शकुन्तला देवी काफी गदगद है। मेधावी जेआरएफ कर आगे की पढ़ाई करेगा।

मेधावी निधि को मिले दो मेडल

कानपुर। दीक्षान्त समारोह में मेधावी निधी कुमारी को दो मेडल मिले है। मेधावी का कहना है कि कड़ी मेहनत के साथ सफलता पायी है। एमबीए कर अपना स्टार्टअप कर आगे बढ़ेगी। बेटी का कामयाबी पर माता-पिता काफी खुश है।

मेधावी अंकुर सिंह करेगा एमबीए

कानपुर। दीक्षान्त समारोह में मेधावी अंकुर सिंह को राज्यपाल ने एक मेडल व उपाधि प्रदान की है। मेधावी ने बताया कि फतेहपुर निवासी पिता रंग बहादुर सिंह और मां रेनू देवी है। आईआईएफएम, भोपाल से एमबीए करना चाहता है।

मेधावी सक्षम को मेडल पर पैरेंट गदगद

कानपुर। दीक्षान्त समारोह में मेधावी सक्षम मिश्रा को मेडल मिलने पर माता-पिता काफी खुश है। मेधावी कृषि से जुड़ी नौकरी करना चाहता है। बेटे की सफलता पर पिता प्रेम सागर और मां सीमा काफी खुश है।

छात्रावास में सफाई, मेस में भोजन की गुणवत्ता सुधारने को दी दो महीने की मोहलत

कामकाज में लापरवाही पर राजीनामा ले लिया जाएगा

कानपुर, 10 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के 28वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने छात्रावास में साफ-सफाई, मेस में खाना में गुणवत्ता सुधारने को लेकर कुलपति, कुलसचिव और प्रोफेसरों की जमकर क्लास ली। इसके लिए दो महीने का अल्टीमेटम दिया। सभी को काम करना पड़ेगा, वरना लापरवाही पर राजीनामा (यानि इस्तीफा) भी ले लिया जाएगा। राज्यपाल के सख्त रवैये से दीक्षांत समारोह में सभी सकते में आ गये। राज्यपाल ने कहाकि राजभवन की टीम ने छात्रावास, फार्म हाउस का निरीक्षण किया। गर्ल्स छात्रावास में दरवाजे टूटे मिले थे और ईंटों के सहारे बंद किया गया था। परिसर में जलभराव, गंदगी थी। लापरवाही पर एक वीसी की विदाई भी हो चुकी है। कमिश्नर को चार्ज देने के बाद यहां का कामकाज सुधार आया। जर्जर भवन भी दिखा, ग्रांट नहीं होना का बहाना बताया गया। आधे-अधूरे 6 भवन खाली पड़े है। जिनका उपयोग नहीं हुआ। कहीं डिजाइन में कमी थी। उन्होंने कहाकि लाइब्रेरी के लिए 3 करोड़ स्वीकृत कर दिये और अब देखेंगे कैसी लाइब्रेरी बनती है। पहले वहां बैठने की चेयर तक नहीं थी। मेस में भोजन की गुणवत्ता सुधारें और छात्रावासों में वाशिंग मशीनें लगवायें। पशुशाला में सफाई जरूरी है। डा. एस.के. सिंह को भी फटकारा। लखनऊ में अग्निकांड का जिक्र करते हुए फायर सेफ्टी पर जोर दिया।

3 करोड़ से स्वीकृत लाइब्रेरी बनेगी छात्रावास में लगायें वाशिंग मशीनें

पूर्व छात्रों से मिले मुख्य अतिथि, सिर के बाल सफेद होने पर गूंजे ठहाके

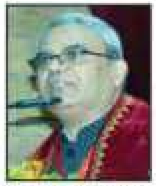

कानपुर। दीक्षान्त समारोह में शामिल होने आये मुख्य अतिथि बिम्सटेक, महासचिव इंद्र मणि पाण्डेय ने आज अपने बैच के पुराने दोस्तों से मुलाकात की और कैम्पस का निरीक्षण कर पुरानी यादें ताजा की। सीएसए में वह 1986 बैच में पास आउट हुए थे। सन 1990 में इंडियन फारेन सर्विस में सेलेक्ट होने के बाद श्रीलंका, ओमान, बांग्लादेश, पाकिस्तान समेत कई देशों में राजदूत रहे। उन्होंने बताया कि आज दस साल बाद यहां आये है और पुरानी यादें ताजा हुई है। कैम्पस भी बदल गया है और मेरे सिर के बाल भी सफेद हो गये। इस पर पूर्व छात्रों ने जोर से ठहाके लगाये। वर्तमान में वह बिम्सटेक महासचिव के पद है। उनका कहना है कि पूर्व एक्सचेंज के साथ आगे बढ़ रहे है और देश भी निरंतर प्रगति कर रहा है। मिडिल-ईस्ट युद्ध से सभी देश प्रभावित हो रहे है। उनका कहना है कि हमें किसी देश से तुलना नहीं करना है। निरंतर आगे बढ़ते रहने से ही पीएम मोदी और देशवासियों का सपना सन 2047 तक विकसित राष्ट्र बन सकेगा।

सेन्ट्रल स्टेशन से लखनऊ जाती राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल।

चौपाल के कैलाश भवन में आयोजित 28वें दीक्षांत समारोह में पदक विजेता छात्र-छात्राओं के साथ कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि बिम्सटेक के महासचिव इंद्रमणि पांडेय, कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता व अन्य। अमर उजाला

मेधा पर पदकों की बारिश

सीएसए के 28वें दीक्षांत में 27 मेधावियों को दिए गए 33 पदक, 372 को मिलीं उपाधियां

माई सिटी रिपोर्टर

छात्र राहुल कुमार को गोल्ड मेडल पहना कर पुरस्कृत करतीं कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। अमर उजाला

69 को दी गई पीएचडी उपाधि, चार शिक्षकों को किया गया सम्मानित

पदक जीतने में छात्र आगे

इस बार पदक जीतने में छात्र आगे रहे हैं। नौ-नौ कुलाधिपति स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक मिले। कुल 19 छात्रों और 14 छात्राओं को पदक मिले।

इनको मिलीं उपाधियां

पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं
बीएससी ऑनर्स कानपुर और लखीमपुर खीरी कैंपस	137	43
बीएससी ऑनर्स कम्युनिटी साइंस	00	10
बीएससी ऑनर्स उद्यान	25	03
बीएससी ऑनर्स वानिकी	16	03
बीटेक कृषि अभियांत्रिकी	15	04
बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन	02	01
बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग	01	01
बीटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग	19	10
बीटेक डेयरी टेक्नोलॉजी	05	02
बीएससी-नी बिजनेस साइंस	07	01
पीएचडी कृषि	43	13
पीएचडी गृह विज्ञान	10	00
पीएचडी उद्यान	53	16

डिजीलॉकर में डिग्री क्यों नहीं हो रही डाउनलोड, स्पष्टीकरण दें

एक बैच में तीन छात्र, तीनों को पदक

खेती की जमीन पर खड़े कर दिए भवन

मेडिकल सुविधाओं का नहीं मिलता लाभ

बोले छात्र

परास्नातक के बाद शिक्षक बनना चाहते आदित्य

एमटेक करना चाहते हैं महेंद्र

नौकरी करने के बाद करूंगी एमबीए

पदक जीता, अब नौकरी के लिए मेहनत

कैटेट के प्रदेश टॉपर रहे राहुल के खाते में कुलाधिपति स्वर्ण

कृषि क्षेत्र में काफी स्कोप

एमबीए कर कीर्ति करना चाहती हैं बिजनेस

नाबार्ड में मैनेजर बनना चाहते हैं सक्षम

एग्रीकल्चर फील्ड ऑफिसर बनना चाहती हैं अभाव्या

छात्र-छात्राओं के साथ सेल्फी लेकर यादों को संजोती हुईं। अमर उजाला

अरे भाई अब पहले वाली बात कहां, बाल सफेद हो गए

अपने बैच के छात्रों से मिलकर बोले बिम्सटेक के महासचिव

बिम्सटेक के महासचिव इंद्रमणि पांडेय। अमर उजाला

देश में बनेगा कृषि का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

दो टूक

सीएसजेएमयू में लंच के बाद जलभराव के चलते दूसरे रूट से राज्यपाल को लाया गया सीएसए तो भड़कीं

पांच मिनट का रास्ता, 25 मिनट कैसे लगे, किसने बदला मेरा रूट

माई सिटी रिपोर्टर

कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल।

एक्सपायर हो चुके आग बुझाने वाले उपकरण, आखिर चाहते क्या हैं

पुस्तकालय में बाहरी छात्रों का रहता कब्जा

किसानों की पीड़ा पर किया फोकस

लोक नृत्य प्रस्तुत करतीं पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय सजारी की छात्राएं। अमर उजाला

दैनिक जागरण आई नेस्ट 11/07/2026

सीएसए में 357 को डिग्री, 27 को मिले मेडल

PICS: DAINIK JAGRAN INEXT

यूनिवर्सिटी में कई तरह की कमियों को लेकर गवर्नर ने दी चेतावनी

kanpur@inext.co.in

KANPUR (10 July): पांच साल पहले फर्जी डिग्रियां बेची जाती थीं. यूनिवर्सिटीज और कॉलेजों में भ्रष्टाचार का बोलबाला था. इनपर रोक लगाने के लिए डिजीलॉकर बनाया. आज पारदर्शिता के साथ स्टूडेंट एग्जाम देते हैं, घर बैठे एक क्लिक में डिग्री उनके पास होती है. डिजीलॉकर का प्रयोग बढ़ाते हुए इसे सौ प्रतिशत कराएं. यह बातें गवर्नर आनंदीबेन पटेल ने सीएसए यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में कहीं. उन्होंने डिजी लॉकर से स्टूडेंट्स के डिग्री न डाउनलोड करने का कारण प्रबंधन से पूछा. साथ ही निर्देश दिए एक महीने में 100 प्रतिशत डिग्रियां डाउनलोड हों. जो स्टूडेंट्स नहीं कर पाते उन्हें कॉलेज बुलाकर सिखाएं. समारोह में 27 मेधावियों को 33 मेडल, कुल 372 स्टूडेंट्स को डिग्री प्रदान कीं. इनमें 69 को पीएचडी की डिग्री भी दी गई.

स्टूडेंट को डिग्री देती राज्यपाल.

सेल्फी लेकर मूमेंट को मोबाइल में कैद किया.

हरदोई का डिब्बा गोल, लखीमपुरखीरी को कम मेडल पर पूछा सवाल

गवर्नर ने यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट का ऑडिट किया. उन्होंने हरदोई जिले के एक भी स्टूडेंट का मेडल के लिए नाम न होने पर आश्चर्य जताते हुए कहा, इसका जवाब दें. कहां कमी रह गई. टीचर्स नहीं हैं या फिर कोई अन्य समस्या है. इसी तरह लखीमपुर खीरी के नाम पर सिर्फ 3 मेडल होने पर उन्होंने कहा कि प्रोफेसर हाजिर होकर कारण बताएं. रिजल्ट में गिरावट क्यों.

गर्ल्स हॉस्टल का टूटा मिला दरवाजा

गवर्नर आनंदीबेन ने गर्ल्स हॉस्टल की खराब स्थिति को भी साझा किया. उन्होंने बताया कि टीम पहुंची तो कमरे में दरवाजे टूटे थे. बंद न होने की वजह से स्टूडेंट्स ने उनपर ईंटे लगा रखे थे. गंदगी भी थी. पिछले वीसी के कार्यों से नाराज कुलाधिपति ने कहा कि कुछ काम कमिश्नर को कराने को कहे गए थे. काफी हुए. लेकिन सुधार की काफी गुंजाइश है. कुलाधिपति ने मंच से दो टूक कहा.. चाहें कुलपति हों या कुलसचिव. केवल पद संभालना ही नहीं बल्कि काम भी करना होगा. फूड क्वालिटी को लेकर कहा कि अगर पौष्टिक भोजन नहीं बना पा रहा तो उसे हटाइये. दूसरे को लाएं.

डॉक्टर एसके सिंह को मंच से लताड़

गवर्नर ने सीएसए के स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर एसके सिंह को मंच से ही लताड़ लगाई. कहा कि कौन है ये एसके सिंह... शिकायत मिली है कि ये ठीक से बात तक नहीं करता है. न तो ठीक से इलाज करता है और न दवा देता है. उन्होंने प्रबंधन को निर्देशित किया कि व्यवस्था को सुधारा क्यों नहीं जा रहा है. वार्निंग देते हुए कहा कि दो महीने वक्त है, फिर से निरीक्षण करेंगे. इस बीच व्यवस्थाएं सुधार लें.

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्षः 18 अंक : 13 कानपुर, शनिवार 11 जुलाई 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्यः 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

सीएसए का 28वां दीक्षांत समारोह संपन्न

वितरित हुए 33 पदक एवं 372 उपाधियां, छात्र हुए प्रफुल्लित

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के ऑडिटोरियम हॉल (कैलाश भवन) में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में 28वें दीक्षांत समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 27 मेधावियों को 33 पदक एवं पुरस्कार दिए गए।कुल 372 छात्र छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई। इनमें 69 विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि,179 को बीएससी कृषि, बीएससी उद्यान 28, बीएससी फॉरेस्ट्री के 19 तथा विश्वविद्यालय 10 को बीएससी कम्युनिटी साइंस, 52 को बीटेक की विभिन्न शाखाओं में तथा 8 को बीएफएससी,7 बीटेक डेरी टेक्नोलॉजी की डिग्री दी गई। उपाधियां और मेडल पाकर छात्र-छात्राएं झूम उठे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 09 छात्र छात्राओं को कुलाधिपति स्वर्ण पदक , 09 छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय रजत पदक, 09 छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय कांस्य पदक एवं 06 छात्र छात्राओं को प्रायोजित स्वर्ण पदक से नवाजा गया। कुल 27 छात्र छात्राओं को 33 पदक दिए गए। इसमें 19 पदक छात्रों ने (57.58 त्र) तथा छात्राओं ने 14 पदक (42.42त्र) प्राप्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि इंद्र मणि पाण्डेय महासचिव (बिम्सटेक) बंगाल की खाड़ी बहु क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल तथा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता ने मेधावियों को पदक दिए। इस दौरान पदक धारकों की तस्वीर कुलाधिपति एवं अतिथियों के साथ ली गई। इस अवसर पर एक से अधिक पदक कई छात्र छात्राओं को मिले। राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदया द्वारा इस अवसर पर संबिलियन विद्यालय/माध्यमिक विद्यालय कानपुर देहात, रायबरेली, औरैया, के विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी 03 छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र,पुस्तकें, पेन, एवं बैग आदि भेंट की। तथा सभी को चॉकलेट भी दी। तथा जनपद फर्रुखाबाद की 05 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट भेंट की। मुख्य विकास अधिकारी फर्रुखाबाद एवं पुलिस क्षेत्र अधिकारी को प्रमाण पत्र दिया गया। जबकि काशीपुर इंटर कॉलेज कानपुर देहात एवं संविलियन विद्यालय अनूपपुर कानपुर देहात के प्रधानाध्यापक को गवर्नर हाउस से आई पुस्तके भी भेंट की गई।सर्व प्रथम कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। तथा शिक्षण, शोध एवं प्रसार कार्यों के नवाचारो के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभी मंत्रिमंडल द्वारा रायबरेली में उद्यान महाविद्यालय की स्थापना हेतु स्वीकृत प्रदान की गई है। कुलपति ने कहा की विश्वविद्यालय में रेलवे के सहयोग से रेल यात्रा में छात्र-छात्राओं को आने-जाने के लिए विशेष छूट प्रदान की गई है। उन्होंने कहा 3.5 करोड़ रूपया पुस्तकालय के आधुनिकीकरण हेतु स्वीकृत हुए हैं इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री इंद्र मणि पाण्डेय महासचिव (बिम्सटेक) बंगाल की खाड़ी बहू क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि इस विश्वविद्यालय द्वारा दलहन, तिलहन एवं खाद्यान्न फसलों की 300 से अधिक प्रजातियां निकालकर कृषि क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किया है। तथा हरित क्रांति में इस विश्वविद्यालय का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिकों तथा छात्रों से कहा कि हमें मांग के अनुरूप शोध करने की आवश्यकता है तथा दलहन और तिलहन फसलों में आत्मनिर्भर होना जरूरी है,साथ ही वैज्ञानिकों से आवाहन किया कि जलवायु अनुकूल प्रजातियां का विकास करें।उन्होंने गुणवत्ता युक्त कृषि उत्पाद के लिए कृषि विविधीकरण पर बल दिया। इस अवसर पर कुलाधिपति एवं श्रीराज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने डिजिलॉकर में 372 डिग्रियों को अपलोड किया। तथा सभी उपाधि धारक छात्र छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की रैंकिंग सुधारने की अति आवश्यकता है। इसके लिए वैज्ञानिकों/अधिकारियों/छात्र छात्राओं को अथक मेहनत करनी होगी। उपाधि धारक छात्र छात्राओं का आवाहन करते हुए कहा कि देश में आपके नवाचारों की अति आवश्यकता है साथ ही उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिकों से कहा कि श्रीअन्न (मिलेट्स) के क्षेत्रफल को बढ़ावा दिया जाए। डिग्री धारक छात्र छात्राओं से कहा कि वह अपने गांव में अपने खेतों पर जैविक और प्राकृतिक खेती करें। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कृषि लागत को कम किया जाए तथा गौ आधारित प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती को अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में ड्रोन दीदी एवं कृषि सखियों के भी चयन से कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी। कुलाधिपति ने कहा कि कृषि में ए आई(कृत्रिम बुद्धिमत्ता) के प्रयोग से किसानों आमदनी में बदलाव होगा। उन्होंने पदक एवं डिग्री धारक छात्र छात्राओं से आवाहन किया कि वे अपने अनुभवों को तथा नवाचारों को खेतों तक अवश्य पहुंचाएं। भारत की आत्मा,गांव में बसती है गांव की आत्मा किसानों में बसती है इसलिए प्रयोगशाला के नवाचारों को किसानों तक अवश्य पहुंचाया जाए।दीक्षांत समारोह के दौरान उत्कृष्ट अध्यापन एवं शैक्षणिक योगदान हेतु चार शिक्षकों को फ्रउत्कृष्ट शिक्षक सम्मानफ्र प्रदान किया गया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित 09 पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ विनीता सिंह एवं डॉ नौशाद खान ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विधायक (सदस्य विधान परिषद) एव बोर्ड के सदस्य, सलिल विश्नोई ,जिला प्रशासन के अधिकारी गण,सभी अधिष्ठाता गण, निदेशक गण, विभागाध्यक्ष एवं सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

अधिकतम तापमान 32.2 >> न्यूनतम तापमान 26.0 >> सूर्योदय 5:20 >> सूर्यास्त 19:04 >> डॉलर 95.33 » यूरो 10

दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

लखनऊ | वर्ष-10, अंक-274 | शनिवार 11 जुलाई 2026 | कुल पृष्ठ 20 | मूल्य 5.00 रुपये

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

सीएम योगी ने बस्ती को दी ₹504 करो

सीएसए का 28वां दीक्षांत समारोह : 372 विद्यार्थियों को उपाधियां, 27 मेधावियों को 33 पदक से किया गया सम्मानित

अब विश्वविद्यालय से नहीं आएंगे भ्रष्टाचार की शिकायते

भास्कर ब्यूरो

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के 28वें दीक्षांत समारोह का आयोजन शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कैलाश भवन ऑडिटोरियम में कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह में 372 छात्र-छात्राओं को विभिन्न पाठ्यक्रमों की उपाधियां प्रदान की गईं, जबकि 27 मेधावी विद्यार्थियों को कुल 33 पदक एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पदक और उपाधियां प्राप्त करने के बाद विद्यार्थियों में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला।

समारोह में 69 विद्यार्थियों को पीएचडी, 179 को बीएससी कृषि, 28 को बीएससी उद्यान, 19 को बीएससी फॉरेस्ट्री, 10 को बीएससी कम्युनिटी साइंस, 52 को बीटेक, 8 को बीएफएससी तथा 7 को बीटेक

डेयरी टेक्नोलॉजी की डिग्री प्रदान की गई। कुल 33 पदकों में 9 कुलाधिपति स्वर्ण पदक, 9 विश्वविद्यालय रजत पदक, 9 विश्वविद्यालय कांस्य पदक तथा 6 प्रायोजित स्वर्ण पदक शामिल रहे। पदक विजेताओं में छात्रों ने 19 तथा छात्राओं ने 14 पदक प्राप्त किए।

मुख्य अतिथि बिम्सटेक के महासचिव इंद्र मणि पाण्डेय तथा कुलपति प्रो. संजीव गुप्ता ने भी मेधावियों को सम्मानित किया। इस दौरान राज्यपाल ने डिजिलॉकर पर सभी 372 डिग्रियों का डिजिटल अपलोड भी किया।

आनंदीबेन पटेल ने कहा कि करीब 5 वर्ष पहले विश्वविद्यालय में भ्रष्टाचार की शिकायते सामने आती थी और फर्जी डिग्रियां बेचे जाने के मामले भी प्रकाश में आते थे लेकिन डिजिलॉकर प्रक्रिया लागू होने से अब ऐसा संभव नहीं है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय रैंकिंग सुधारने पर जोर देते हुए कहा कि वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों को नवाचारों को प्रयोगशालाओं से खेतों तक पहुंचाना होगा। उन्होंने प्राकृतिक एवं जैविक खेती, श्रीअन्न (मिलेट्स), एआई आधारित कृषि, ड्रोन दीदी और कृषि सखी जैसी पहलों को किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बताया।

कुलपति ने गिनाईं उपलब्धियां: कुलपति प्रो. संजीव गुप्ता ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि रायबरेली में उद्यान महाविद्यालय की स्थापना को मंत्रिमंडल की मंजूरी मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि रेलवे के सहयोग से विद्यार्थियों को यात्रा में विशेष रियायत तथा पुस्तकालय के आधुनिकीकरण के लिए 3.5 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है।

मुख्य अतिथि ने शोध पर दिया जोर: बिम्सटेक महासचिव इंद्र मणि पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय ने दलहन, तिलहन और खाद्यान्न फसलों की 300 से अधिक उन्नत प्रजातियां विकसित कर कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने वैज्ञानिकों से जलवायु अनुकूल किस्मों के विकास और मांग आधारित अनुसंधान को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

समारोह के दौरान उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान के लिए चार शिक्षकों को ₹उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान₹ प्रदान किया गया तथा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित नौ पुस्तकों का विमोचन भी हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनीता सिंह एवं डॉ. नौशाद खान ने संयुक्त रूप से किया। समारोह में विधायक एवं बोर्ड सदस्य सलिल विश्नोई, विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, संकाय सदस्य तथा प्रशासनिक अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संपूर्ण मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं उत्तरप्रदेश में प्रसारित

www.samarthsahara.com

तापमान (डिग्री सेल्सियस)

	अधिकतम	न्यूनतम
भोपाल	45.0	35.0
ग्वालियर	45.5	37.8
इंदौर	46.0	37.0
जबलपुर	47.0	38.0

पेट्रोलियम कीमत

पेट्रोल : 119.48 डीज़ल : 92.48

₹ कीमत

डालर : 93.06 यूरो : 99.19

सेंसेक्स : 74, 616 निफ्टी : 25, 814

सोना : 14, 6,983 चांदी : 2 42, 439

भोपाल

शनिवार

11 जुलाई 2026

वर्ष: 12, अंक: 036

कुल पृष्ठ: 8

मूल्य : 2.00

दैनिक समर्थ सहारा

सच को सच कहने का अदम्य साहस

samarthsaharabhopal@gmail.com

सीएसए का 28वां दीक्षांत समारोह संपन्न, वितरित हुए 33 पदक एवं 372 उपाधियां, छात्र हुए प्रफुल्लित

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के ऑडिटोरियम हॉल (कैलाश भवन) में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में 28वें दीक्षांत सम्मारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 27 मेधावियों को 33 पदक एवं पुरस्कार दिए गए,कुल 372 छात्र छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गईं। इनमें 69 विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि,179 को बीएससी कृषि, बीएससी उद्यान 28, बीएससी फॉरेस्ट्री के 19 तथा विश्वविद्यालय 10 को बीएससी कम्युनिटी साइंस, 52 को बीटेक की विभिन्न शाखाओं में तथा 8 को बीएफएससी,7 बीटेक डेरी टेक्नोलॉजी की डिग्री दी गई। उपाधियां और मेडल पाकर छात्र-छात्राएं झूम उठे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 09 छात्र छात्राओं को कुलाधिपति स्वर्ण पदक , 09 छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय रजत पदक, 09 छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय कांस्य पदक एवं 06 छात्र छात्राओं को प्रायोजित स्वर्ण पदक से नवाजा गया। कुल 27 छात्र छात्राओं को 33 पदक दिए गए। इसमें 19 पदक छात्रों ने (57.58 %) तथा छात्राओं ने 14 पदक (42.42%) प्राप्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि इंद्र मणि पाण्डेय महासचिव (बिम्सटेक) बंगाल की खाड़ी बहु क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल तथा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता ने मेधावियों को पदक दिए। इस दौरान पदक धारकों की तस्वीर कुलाधिपति एवं अतिथियों के साथ ली गई। इस अवसर पर एक से अधिक पदक कई छात्र छात्राओं को मिले। राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदया द्वारा इस अवसर पर सीबीसियन विद्यालय/माध्यमिक विद्यालय कानपुर देहात, रायबरेली, औरैया, के विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी 03 छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र,पुस्तकें, पेन, एवं बैग आदि

भेंट की। तथा सभी को चॉकलेट भी दी। तथा जनपद फर्रुखाबाद की 05 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट भेंट की। मुख्य विकास अधिकारी फर्रुखाबाद एवं पुलिस क्षेत्र अधिकारी को प्रमाण पत्र दिया गया। जबकि काशीपुर इंटर कॉलेज कानपुर देहात एवं सीबीसियन विद्यालय अनूपपुर कानपुर देहात के प्रधानाध्यापक को गवर्नर हाउस से आई पुस्तके भी भेंट की गई।सर्व प्रथम कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। तथा शिक्षण, शोध एवं प्रसार कार्यों के नवाचारो के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभी मंत्रिमंडल द्वारा रायबरेली में उद्यान महाविद्यालय की स्थापना हेतु स्वीकृत प्रदान की गई है। कुलपति ने कहा की विश्वविद्यालय में रेलवे के सहयोग से रेल यात्रा में छात्र-छात्राओं को आने-जाने के लिए विशेष छूट प्रदान की गई है। उन्होंने कहा 3.5 करोड़ रूपया पुस्तकालय के आधुनिकीकरण हेतु स्वीकृत हुए हैं इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री इंद्र मणि पाण्डेय महासचिव (बिम्सटेक) बंगाल की खाड़ी बहु क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि इस विश्वविद्यालय द्वारा दलहन, तिलहन एवं खाद्यान्न फसलों की 300 से अधिक प्रजातियां निकालकर कृषि क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किया है। तथा हरित क्रांति में इस विश्वविद्यालय का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिकों तथा छात्रों से कहा कि हमें मांग के अनुरूप शोध करने की आवश्यकता है तथा दलहन और तिलहन फसलों में आत्मनिर्भर होना जरूरी है,साथ ही वैज्ञानिकों से आवाहन किया कि जलवायु अनुकूल प्रजातियां का विकास करें।उन्होंने गुणवत्ता युक्त कृषि उत्पाद के लिए कृषि विविधीकरण पर बल दिया। इस अवसर पर कुलाधिपति एवं श्रीराज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने डिजिलॉकर में 372 डिग्रियों को अपलोड किया। तथा सभी उपाधि धारक छात्र छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की रैंकिंग सुधारने की अति आवश्यकता है। इसके लिए वैज्ञानिकों/अधिकारियों/छात्र छात्राओं को अथक मेहनत करनी होगी। उपाधि धारक छात्र छात्राओं का आवाहन करते हुए कहा कि देश में आपके नवाचारों की अति आवश्यकता है साथ ही उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिकों से कहा कि श्रीअन्न (मिलेट्स) के क्षेत्रफल को बढ़ावा दिया जाए। डिग्री धारक छात्र छात्राओं से कहा कि वह अपने गांव में अपने खेतों पर जैविक और प्राकृतिक खेती करें। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कृषि लागत को कम किया जाए तथा गौ आधारित प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती को अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में ड्रोन दीदी एवं कृषि सखियों के भी चयन से कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी। कुलाधिपति ने कहा कि कृषि में ए आई(कृत्रिम बुद्धिमत्ता) के प्रयोग से किसानों आमदनी में बदलाव होगा। उन्होंने पदक एवं डिग्री धारक छात्र छात्राओं से आवाहन किया कि वे अपने अनुभवों को तथा नवाचारों को खेतों तक अवश्य पहुंचाएं। भारत की आत्मा,गांव में बसती है गांव की आत्मा किसानों में बसती है इसलिए प्रयोगशाला के नवाचारों को किसानों तक अवश्य पहुंचाया जाए।दीक्षांत समारोह के दौरान उत्कृष्ट अध्यापन एवं शैक्षणिक योगदान हेतु चार शिक्षकों को "उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान" प्रदान किया गया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित 09 पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ विनीता सिंह एवं डॉ नौशाद खान ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विधायक (सदस्य विधान परिषद) एव बोर्ड के सदस्य, सलिल विश्नोई ,जिला प्रशासन के अधिकारी गण,सभी अधिष्ठाता गण, निदेशक गण, विभागाध्यक्ष एवं सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

रहस्य संदेश

पृष्ठ : 4 मूल्य : 2.00 रुपये मात्र | एटा कासगंज अलीगढ़ लखनऊ गाजि

11:07:2026 | वर्ष 20 अंक 178 | RNI-No. UPHI

सीएसए का 28वां दीक्षांत समारोह संपन्न, वितरित हुए 33 पदक एवं 372 उपाधियां, छात्र हुए प्रफुल्लित

रहस्य संदेश | अनवर अशरफ

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के ऑडिटोरियम हॉल (कैलाश भवन) में आज कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की श्री राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी की अध्यक्षता में 28वें दीक्षांत समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 27 मेधावियों को 33 पदक एवं पुरस्कार दिए गए।कुल 372 छात्र छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई। इनमें 69 विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि,179 को बीएससी कृषि, बीएससी उद्यान 28, बीएससी फॉरेस्ट्री के 19 तथा विश्वविद्यालय 10 को बीएससी कम्युनिटी साइंस, 52 को बीटेक की विभिन्न शाखाओं में तथा 8 को बीएफएससी,7 बीटेक डेरी टेक्नोलॉजी की डिग्री दी गई। उपाधियां और मेडल पाकर छात्र-छात्राएं झूम उठे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 09 छात्र छात्राओं को कुलाधिपति स्वर्ण पदक , 09 छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय रजत पदक, 09 छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय कांस्य पदक एवं 06 छात्र छात्राओं को प्रायोजित स्वर्ण पदक से नवाजा गया। कुल 27 छात्र छात्राओं को 33 पदक दिए गए। इसमें 19 पदक छात्रों ने (57.58 %) तथा छात्राओं ने 14 पदक (42.42%) प्राप्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि श्री इंद्र मणि पाण्डेय महासचिव (बिम्सटेक) बंगाल की खाड़ी बहू क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल तथा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता ने मेधावियों को पदक दिए। इस दौरान पदक धारकों की तस्वीर कुलाधिपति महोदया एवं अतिथियों के साथ ली गई। इस अवसर पर एक से अधिक पदक कई छात्र छात्राओं को मिले। राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदया द्वारा इस अवसर पर संबिलियन विद्यालय/माध्यमिक विद्यालय कानपुर देहात, रायबरेली, औरैया, के विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी 03 छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र,पुस्तकें, पेन, एवं बैग आदि भेंट की। तथा सभी को चॉकलेट भी दी। तथा जनपद फर्रुखाबाद की 05 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट भेंट की। मुख्य विकास अधिकारी फर्रुखाबाद एवं पुलिस क्षेत्र अधिकारी को प्रमाण पत्र दिया गया। जबकि काशीपुर इंटर कॉलेज कानपुर देहात एवं संविलियन विद्यालय अनूपपुर कानपुर देहात के प्रधानाध्यापक को गवर्नर हाउस से आई पुस्तकें भी भेंट की गई।सर्व प्रथम कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। तथा शिक्षण, शोध एवं प्रसार कार्यों के नवाचारो के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभी मंत्रिमंडल द्वारा रायबरेली में उद्यान महाविद्यालय की स्थापना हेतु स्वीकृत प्रदान की गई है। कुलपति ने कहा की विश्वविद्यालय में रेलवे के सहयोग से रेल यात्रा में छात्र-छात्राओं को आने-जाने के लिए विशेष छूट प्रदान की गई है। उन्होंने कहा 3.5 करोड़ रूपया पुस्तकालय के आधुनिकीकरण हेतु स्वीकृत हुए हैं।इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री इंद्र मणि पाण्डेय महासचिव (बिम्सटेक) बंगाल की खाड़ी बहू क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि इस विश्वविद्यालय द्वारा दलहन, तिलहन एवं खाद्यान्न फसलों की 300 से अधिक प्रजातियां निकालकर कृषि क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किया है। तथा हरित क्रांति में इस विश्वविद्यालय का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिकों तथा छात्रों से कहा कि हमें मांग के अनुरूप शोध करने की आवश्यकता है तथा दलहन और तिलहन फसलों में आत्मनिर्भर होना जरूरी है,साथ ही वैज्ञानिकों से आवाहन किया कि जलवायु अनुकूल प्रजातियां का विकास करें।उन्होंने गुणवत्ता युक्त कृषि उत्पाद के लिए कृषि विविधीकरण पर बल दिया। इस अवसर पर कुलाधिपति एवं श्रीराज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने डिजिलॉकर में 372 डिग्रियों को अपलोड किया। तथा सभी उपाधि धारक छात्र छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की रैंकिंग सुधारने की अति आवश्यकता है। इसके लिए वैज्ञानिकों/अधिकारियों/छात्र छात्राओं को अथक मेहनत करनी होगी। उपाधि धारक छात्र छात्राओं का आवाहन करते हुए कहा कि देश में आपके नवाचारों की अति आवश्यकता है साथ ही उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिकों से कहा कि श्रीअन्न (मिलेट्स) के क्षेत्रफल को बढ़ावा दिया जाए। डिग्री धारक छात्र छात्राओं से कहा कि वह अपने गांव में अपने खेतों पर जैविक और प्राकृतिक खेती करें। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कृषि लागत को कम किया जाए तथा गौ आधारित प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती को अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में ड्रोन दीदी एवं कृषि सखियों के भी चयन से कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी। कुलाधिपति ने कहा कि कृषि में ए आई(कृत्रिम बुद्धिमत्ता) के प्रयोग से किसानों आमदनी में बदलाव होगा। उन्होंने पदक एवं डिग्री धारक छात्र छात्राओं से आवाहन किया कि वे अपने अनुभवों को तथा नवाचारों को खेतों तक अवश्य पहुंचाएं। भारत की आत्मा,गांव में बसती है गांव की आत्मा किसानों में बसती है इसलिए प्रयोगशाला के नवाचारों को किसानों तक अवश्य पहुंचाया जाए।दीक्षांत समारोह के दौरान उत्कृष्ट अध्यापन एवं शैक्षणिक योगदान हेतु चार शिक्षकों को "उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान" प्रदान किया गया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित 09 पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ विनीता सिंह एवं डॉ नौशाद खान ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विधायक (सदस्य विधान परिषद) एव बोर्ड के सदस्य, श्री सलिल विश्नोई जी,जिला प्रशासन के अधिकारी गण,सभी अधिष्ठाता गण, निदेशक गण, विभागाध्यक्ष एवं सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण 11/07/2026

'पांच साल पहले बिकती थीं फर्जी डिग्रियां, लागू करना पड़ा डिजीलाकर'

सीएसए के दीक्षा समारोह में पदक पाने वाले विद्यार्थियों के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, बिम्सटेक के महासचिव इन्द्रमणि पांडेय, कुलपति डा. संजीव गुप्ता व कुलसचिव रेनू सिंह • जागरण

सीएसए के दीक्षा समारोह में सम्मानित किए गए शिक्षक डा. आरके यादव, डा. मुक्ता गर्ग, तरुण कुमार माहेश्वरी व डा. वीके त्रिपाठी (बाएं से दाएं) • जागरण

जागरण संवाददाता, कानपुर: पांच साल पहले विश्वविद्यालयों में भ्रष्टाचार चलता था और फर्जी डिग्रियां बेची जाती थीं। इसी पर रोक लगाने के लिए डिजीलाकर व्यवस्था लागू करनी पड़ी। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के 28वें दीक्षा समारोह में शुक्रवार को कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली पर खुलकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि एक माह के भीतर सभी विद्यार्थियों की डिग्री और अंकपत्र डिजिलाकर पर उपलब्ध कराए जाएं। राज्यपाल ने हरदोई और लखीमपुर खीरी कैंपस के विद्यार्थियों को कम पदक मिलने पर सवाल उठाते हुए संबंधित शिक्षकों से इसका कारण पूछा। मुख्य अतिथि बिम्सटेक के महासचिव एवं भारत के पूर्व राजनयिक डा. इंद्रमणि पांडेय थे।

समारोह में 69 शोधार्थियों को पीएचडी, 179 विद्यार्थियों को बीएससी कृषि, 28 को बीएससी उद्यान, 19 को बीएससी फारेस्ट्री, 10 को बीएससी कम्युनिटी साइंस, 52 को विभिन्न शाखाओं में बीटेक, आठ को बीएफएससी तथा सात विद्यार्थियों को बीटेक डेयरी टेक्नोलाजी की उपाधि प्रदान की गई। वहीं 33 मेधावियों में नौ को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, नौ को विश्वविद्यालय रजत पदक, नौ को विश्वविद्यालय कांस्य पदक तथा छह विद्यार्थियों को प्रायोजित स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें 14 छात्राएं और 19 छात्र शामिल हैं। मिर्जापुर के रहने वाले राहुल कुमार को बीएससी (आनर्स) में टाप करने के लिए तीन स्वर्ण पदक, सुल्तानपुर निवासी बीएससी (आनर्स) के अभिषेक त्रिपाठी को विश्वविद्यालय रजत पदक व दो स्वर्ण सहित कुल तीन पदक, बिहार के जहानाबाद निवासी बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी साइंस की निधि कुमारी को कुलाधिपति स्वर्ण पदक सहित कुल दो स्वर्ण पदक व बीएससी (आनर्स) वानिकी के छात्र सक्षम मिश्रा को कुलाधिपति स्वर्ण सहित कुल दो स्वर्ण पदक दिए गए।

दो माह बाद फिर करूंगी निरीक्षण : राज्यपाल ने कहा कि छात्रावासों की मेस में गुणवत्तापूर्ण भोजन मिले, लाइब्रेरी में पहले विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाए और बाहरी लोगों की एंट्री नियंत्रित हो। छात्रावासों में वाशिंग मशीन लगाने, खेल मैदान और स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाएं सुधारने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दो माह बाद वह फिर निरीक्षण करेंगी।

'प्रयोगशाला की तकनीक किसानों तक पहुंचाएं' : राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीअन्न (मिलेट्स) को बढ़ावा दे रहे हैं, लेकिन प्रदेश में अभी भी गेहूं पर अधिक जोर है। उन्होंने वैज्ञानिकों से मिलेट्स का रकबा बढ़ाने और छात्र-छात्राओं से प्रयोगशालाओं में विकसित तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

चार उत्कृष्ट शिक्षकों को किया सम्मानित : राज्यपाल ने चार शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया। इसमें सीएसए के उद्यान महाविद्यालय के प्रो. विवेक कुमार त्रिपाठी, कृषि अभियांत्रिकी कालेज इटावा के डा. तरुण महेश्वरी, गृह विज्ञान महाविद्यालय की डा. मुक्ता गर्ग और कृषि महाविद्यालय के डा. आरके यादव शामिल हैं।

साढ़े तीन करोड़ में अपग्रेड होगा पुस्तकालय

कुलपति डा. संजीव गुप्ता ने दीक्षा समारोह में विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि उन्होंने कहा 3.5 करोड़ रुपये पुस्तकालय के आधुनिकीकरण हेतु स्वीकृत हुए हैं।

नौकरी लग गई थी तो बीच में छोड़ दी थी एमएससी की पढ़ाई : डा. इंद्रमणि पांडेय

जागरण संवाददाता, कानपुर : बे आफ बंगाल इनिशिएटिव फार मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनामिक को-आपरेशन (बिम्सटेक) के महासचिव डा. इंद्रमणि पांडेय ने कहा कि सफलता का रास्ता कभी सीधा नहीं होता। उन्होंने बताया कि वर्ष 1981 से 1986 तक उन्होंने चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में पढ़ाई की। वर्ष 1988 में एमएससी की पढ़ाई के दौरान बैंक में नौकरी मिल गई, जिसके कारण पढ़ाई बीच में छोड़नी पड़ी। इसके बाद वर्ष 1990 में उनका चयन भारतीय विदेश सेवा (आइएफएस) में हो गया।

सीएसए के 28वें दीक्षा समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे डा. पांडेय ने कहा कि बिम्सटेक का उद्देश्य सदस्य देशों की आपसी तुलना करना नहीं, बल्कि यह देखना है कि वे पिछले दस वर्षों में कहां थे और अगले दस वर्षों में कहां पहुंच सकते हैं। कृषि वैज्ञानिकों से उन्होंने मांग आधारित शोध करने, दलहन और तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने तथा जलवायु परिवर्तन के अनुरूप नई फसल प्रजातियां विकसित करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि सीएसए ने 300 से अधिक फसल प्रजातियां विकसित कर हरित क्रांति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। समारोह से पहले उन्होंने अपने बैचमेट के साथ मुलाकात की। इस दौरान कुलपति संजीव गुप्ता भी रहे।

सीएसए के 28वें दीक्षांत समारोह में 372 विद्यार्थियों को उपाधियां, 27 मेधावियों को मिले 33 पदक

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कैलाश भवन सभागार में शुक्रवार को कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में 28वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। समारोह में 372 छात्र-छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गईं, जबकि 27 मेधावी विद्यार्थियों को कुल 33 पदक एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। उपाधि और पदक प्राप्त कर छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बिम्सटेक के महासचिव इंद्र मणि पांडेय तथा कुलपति प्रो. संजीव गुप्ता ने भी मेधावियों को सम्मानित किया।

दीक्षांत समारोह में 69 विद्यार्थियों को पीएचडी, 179 को बीएससी कृषि, 28 को बीएससी उद्यान, 19 को बीएससी फॉरेस्ट्री, 10 को बीएससी कम्युनिटी साइंस, 52 को विभिन्न शाखाओं में बीटेक, 8 को बीएफएससी तथा 7 को बीटेक डेयरी टेक्नोलॉजी की उपाधि प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले नौ विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, नौ को विश्वविद्यालय रजत पदक, नौ को विश्वविद्यालय कांस्य पदक तथा छह विद्यार्थियों को प्रायोजित स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। कुल 33 पदकों में 19 पदक छात्रों और 14 पदक छात्राओं ने हासिल किए।

कुलपति प्रो. संजीव गुप्ता ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि रायबरेली में उद्यान महाविद्यालय की स्थापना को मंत्रिमंडल से स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने पुस्तकालय के आधुनिकीकरण के लिए 3.5 करोड़ रुपये की स्वीकृति तथा छात्रों को रेलवे यात्रा में विशेष रियायत जैसी नई पहलों की जानकारी भी दी।

मुख्य अतिथि इंद्र मणि पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय ने दलहन, तिलहन और खाद्यान्न फसलों की 300 से अधिक उन्नत प्रजातियां विकसित कर हरित क्रांति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने वैज्ञानिकों से जलवायु अनुकूल किस्मों के विकास, कृषि विविधीकरण और मांग आधारित अनुसंधान पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने समारोह के दौरान 372 डिग्रियों को डिजिलॉकर पर अपलोड किया और सभी उपाधिधारकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वविद्यालय की रैंकिंग सुधारने, कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग, श्रीअन्न (मिलेट्स), जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा किसानों तक शोध और नवाचार पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रयोगशाला में विकसित तकनीकों का लाभ खेतों तक पहुंचना चाहिए, तभी कृषि क्षेत्र में वास्तविक बदलाव आएगा।

समारोह में उत्कृष्ट अध्यापन एवं शैक्षणिक योगदान के लिए चार शिक्षकों को उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित नौ पुस्तकों का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य एवं विश्वविद्यालय बोर्ड के सदस्य सलिल विश्नोई, जिला प्रशासन के अधिकारी, अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

Make students aware of contributions of great men: Governor

PIONEER NEWS SERVICE
Kanpur

Governor Anandiben Patel on Friday advised universities to organise competitions on the great men and freedom fighters associated with their names.

Inaugurating the 28th Convocation ceremony of Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology (CSA) in Kanpur on Friday, Governor Patel said students should be made aware of the lives, thoughts and contributions of the great men and freedom fighters after whom the universities had been named.

"All universities should organise various competitions based on the great men and freedom fighters associated with their names, so that awareness among the students increases about their ideals and their contribution in nation building," she said.

The governor issued degrees of 372 students on DigiLocker with a single click. At the ceremony, 33 meritorious students were honoured with various medals, including gold medals.

Chief guest and BIMSTEC Secretary General Indramani Pandey extended his best wishes to the students.

During the ceremony, schoolgirls captivated everyone with their Braj-themed folk dance.

In his convocation address, Vice-Chancellor Dr Sanjeev Gupta urged students always to speak the truth, fulfil their duties honestly, and become healthy, prosperous, and generous citizens.

He urged them to make the country happy, strong, and glorious. He also encouraged them to conduct new research and adopt innovation for the development of agriculture.

Presenting the university's annual report, the vice-chancellor said that students from 21 states across the country were studying in the university.

He added that the university will soon seek to attract students from abroad as well. Furthermore, the university library is being equipped with modern facilities.

Incorporate innovation into work ethics: Guv

PIONEER NEWS SERVICE
Kanpur

Uttar Pradesh Governor Anandiben Patel on Friday said that in today's technological era, students should incorporate innovation and original research into their work ethic.

In her address at the Harcourt Butler Technical University (HBTU) Convocation as the chief guest, she emphasised that youth should ensure their participation in the nation's development.

Congratulating the graduating students, Governor

Governor Patel not only honoured the meritorious students but also administered the oath to the students for their future

A highlight of the ceremony was the talent of the young primary schoolchildren, who captivated everyone. During the programme, the primary schoolchildren gave an impressive performance titled 'Let's Save Nature, Let's Plant Trees'. The children also gave a wonderful rendition of the song *"Nanha munna rahi hoon, desh ka sipahi hoon..."*.

Vice-Chancellor Prof Shamsher presented the university's annual report. He said that under the governor's guidance, faculty promotions had been made, new recruitments had also